

आरकेस्ट्रा पुं. (अं.) 1. विभिन्न वाद्य यंत्रों का सामूहिक संगीत 2. सामूहिक संगीत हेतु संगठित वाद्ययंत्र, वादकों की टोली, वाद्य समूह, वाद्यवृंद, संगीतवृंद।

आरक्त वि. (तत्.) ललाई लिए हुए, हल्का लाल, सुर्ख। पुं. (तत्.) लाल चंदन।

आरक्तिम वि. (तत्.) हल्की लाली वाला, हल्का लाल।

आरक्ष पुं. (तत्.) 1. रक्षा 2. सैन्य, फौज 3. हाथी के कुंभ का संधिस्थल वि. सुरक्षित, सँभालकर रखा हुआ।

आरक्षक पुं. (तत्.) 1. पहरेदार, रक्षक 2. सिपाही, पुलिस।

आरक्षक बल पुं. (तत्.) आरक्षकों का दल या समूह, पुलिस बल।

आरक्षण पुं. (तत्.) प्रशा. किसी वस्तु, स्थान या अधिकार आदि को (समय से पहले) अपने लिए या व्यक्ति-विशेष या समूहविशेष के लिए निर्धारित अथवा सुनिश्चित कर लेना या करवा लेना। reservation

आरक्षा स्त्री. (तत्.) भली-भाँति की सुरक्षा, अच्छी तरह की जाने वाली रक्षा।

आरक्षिक पुं. (तत्.) दे. आरक्षक।

आरक्षित वि. (तत्.) प्रशा. समुदाय-विशेष, वर्ग-विशेष, व्यक्ति-विशेष या कार्य-विशेष के लिए अलग बचा कर रखा गया, जिसका आरक्षण हुआ है दे. आरक्षण।

आरक्षित कीमत स्त्री. (तत्.) वाणि. किसी संपत्ति की बिक्री या नीलामी से पूर्व निर्धारित किया गया मूल्य जिससे कम का प्रस्ताव आने या बोली लगाने की स्थिति में संपत्ति बेची नहीं जाती reserve price

आरक्षित निधि स्त्री. (तत्.) वाणि./अर्थ. 1. बैंक में जमा वह धनराशि, जिसका कहीं निवेश नहीं किया जाता 2. किसी प्रतिष्ठान द्वारा लाभ-

राशि में से प्रयोजन विशेष हेतु सुरक्षित धनराशि पर्या. आरक्षित। reserve fund

आरक्षित संग्रह पुं. (तत्.) विशिष्ट विद्वानों के लिए सुरक्षित, बहुमूल्य पुस्तकों का संग्रह पुस्त. पुस्तकों का ऐसा संकलन, जिसमें से कोई पुस्तक सामान्य पाठकों को पढ़ने के लिए नहीं दी जाती बल्कि केवल विशेष पाठकों को ही पढ़ने हेतु उपलब्ध कराई जाती है। reserve collection

आरक्षित स्टॉक पुं. (तत्.+अं.) किसी वस्तु की निर्धारित न्यूनतम संख्या या मात्रा जिसे हर समय भंडार में रखना अनिवार्य माना जाता है ताकि आपात स्थिति में उसका उपयोग हो सके। reserve stock

आरक्षिति स्त्री. (तत्.) दे. आरक्षित निधि।

आरक्षी वि. (तत्.) रक्षा करने वाला पुं. रक्षक।

आरचित वि. (तत्.) पूर्णरूप से रचित, अथवा बनाया हुआ, सज्जित।

आरजसुवन पुं. (तद्.) आर्यपुत्र।

आरज़ी वि. (अर.) अस्थायी, कुछ ही समय के लिए, क्षणिक।

आरजू स्त्री. (फा.) 1. इच्छा, अभिलाषा, कामना 2. विनती, प्रार्थना प्रयो. बहुत सालों बाद बधुआ की घर बनाने की आरजू पूरी हुई।

आरजूमंद वि. (फा.) अभिलाषी, इच्छुक।

आरट वि. (तत्.) बार-बार रट लगाने वाला पुं. 1. विदूषक 2. अभिनेता 3. नाटक का पात्र।

आरट्ठ पुं. (तद्.) पश्चिमी पंजाब का एक प्राचीन जनपद।

आरणि पुं. (तत्.) 1. बवंडर 2. जलावर्त, भँवर 3. लोहे का हथौड़ा टि. यह 'अरणि' से भिन्न है, 'अरणि' काष्ठ विशेष है।

आरण्य पुं. (तत्.) शुकदेव मुनि वि. अरणि से उत्पन्न या उससे संबद्ध।

आरण्य वि. (तत्.) जंगली, जंगल का, वन का, जंगल में उत्पन्न पुं. 1. जंगल, अरण्य 2.